

## अंतरराष्ट्रीय मलिट्स वर्ष के तहत राजस्थान मलिट्स कॉन्क्लेव 2023 का आयोजन

### चर्चा में क्यों?

9 मार्च, 2023 को प्रमुख शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी दनिश कुमार ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मलिट्स वर्ष के तहत राज्य में 13 व 14 मार्च, 2023 को राजस्थान मलिट्स कॉन्क्लेव का आयोजन राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर में किया जाएगा।

### प्रमुख बदि

- प्रमुख शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी दनिश कुमार ने बताया कि मलिट्स उत्पादकों, कृषि व्यवसायी, स्टार्टअप, एफ.पी.ओ., स्वयंसेवी संस्था, कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि अधिकारियों के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। इस कॉन्क्लेव में मलिट्स स्टार्टअप एवं कृषि प्रसंस्करण के 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे।
- सचिव दनिश कुमार ने बताया कि बाजरा के क्षेत्र एवं उत्पादन में राजस्थान का देशभर में प्रथम स्थान है। देश में बाजरा क्षेत्रफल में राजस्थान का हिस्सा 57.10 प्रतिशत है तथा उत्पादन में 41.71 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसी तरह राष्ट्र में ज्वार के क्षेत्रफल एवं उत्पादन में राज्य का तीसरा स्थान है।
- उन्होंने बताया कि राजस्थान में मलिट्स प्रोत्साहन के लिये मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2022-23 के बजट में राजस्थान मलिट्स मशिन की घोषणा की गई, जिसके तहत बाजरा व ज्वार की खेती के प्रोत्साहन, उत्पादन में वृद्धि, घरेलू खपत को बढ़ावा देने एवं मुख्य संवर्धन के लिये कई रणनीतियाँ अपनाई जा रही हैं।
- इसी के तहत बीज मनिफिस्टिस का वितरण किया गया है। साथ ही उत्पादन में वृद्धि फिसलोत्तर प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन के लिये जोधपुर में मलिट्स उत्कृष्टता केंद्र स्थापति किया गया है।
- प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मलिट्स की खपत को बढ़ाने के लिये इसके स्वास्थ्यपरद लाभों को प्रचारित करने व मलिट्स के उत्पादों को लोकप्रिय बनाने हेतु अंतरराष्ट्रीय मलिट्स वर्ष के अंतर्गत पूरे राज्य में वर्षभर आयोजनों की कार्य योजना बनाई गई है।
- उन्होंने बताया कि मलिट्स पोषण महत्त्व पर राज्यस्तरीय सेमिनार एवं एगरो प्रोसेसिंग पर कॉन्क्लेव आयोजित किया जा रहे हैं, जिनमें मलिट्स उत्पादक, कृषि व्यवसायी, स्टार्टअप, एफ.पी.ओ., स्वयंसेवी संस्था, कृषि वैज्ञानिक और अधिकारियों के मध्य संवाद के माध्यम से ठोस रणनीति विकसित की जा रही है।
- उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मलिट्स वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसके तहत आमजन को बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो, कुटंकी और सावा जैसे अनेक मलिट्स के पोषक महत्त्व एवं स्वास्थ्य के लिये फायदों के बारे में जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही इनके उत्पादन, उत्पादकता एवं वपिणन के अवसरों को प्रोत्साहित किया जाएगा।